तुलसी आरती (हिन्दी)

!! तुलसी महारानी, नमो नमो, हरी की पटरानी नमो नमो
धन तुलसी पूरण, तप कीनो, शालिग्राम बनी पटरानी !!

!! जाके पत्र मंजर कोमल, श्रीपति कमल चरण लपटानी
धुप दीप नैवेद्य आरती, पुष्पन की वर्षा बरसानी !!

!! छप्पन भोग छत्तीसो व्यंजन, बिन तुलसी हरी एक ना मानी
सभी सखी मैया तेरो यश गावे, भक्तिदान दीजै महारानी !!

Pandit.com